वर्षा

मोनालिशा प्रमाणिक
जल प्रौद्योगिकी केंद्र, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
ईमेल : monalishapramanik@gmail.com

वर्षा ऋतु आई, खुशियों का संदेश लाई

चारो ओर फैली हरियाली, संपदा की हर छटा है निराली

ताल तलैया पोखर, हर तरफ पानी डगमगाती

किसानों के मुख पर है मुस्कान, फ़सलों के लिए ये है वरदान

पशु पक्षी फल फुल करते हैं खुशियों का गान

वर्षा ऋतु आई, खुशियों का संदेश लाई.....

नृत्य करे मोर, कोयल करे शोर -2

बारिश की बूंदों के संग मन हो उठा विभोर

बादल गरजे अंबर चमके-2

पानी की धार यहीं बरसे

बारिश की बूंदे तन के साथ मन को भी भिगाते

मिट्टी की सौंधी खुशबू मन को बहुत है भातें

आज समय की यही है पुकार, संचयन कर वर्षा जल

तभी है सुनहरा भविष्य, तभी है सुनहरा कल।